मंगलवार
02 जुलाई 2024

पृष्ठ 4
संगीत सुनने से मिल सकता है तनाव से छुटकारा

पृष्ठ 5
सूर्या 44 से जुड़ीं पूजा हेगड़े

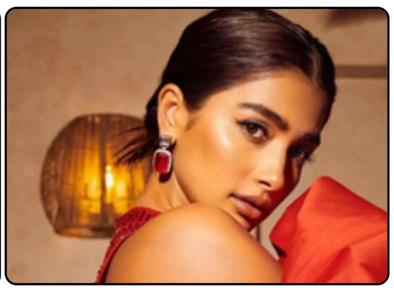

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 149
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

खातिरदारी जैसी चीज में मिठास जरूर है, पर उसका ढकोसला करने में न तो मिठास है और न स्वाद।

– शरतचंद्र

दूनवैलीमेल
सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

प्रेस लिखी कार से दो नशा तस्कर गिरफ्तार, 102 किलो गांजा बरामद

हमारे संवाददाता

पौड़ी। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 102 किलो गांजा बरामद किया गया है। आरोपी शातिर किस्म के तस्कर है जो प्रेस लिखी कार से नशा तस्करी को अंजाम दे रहे थे।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना रिखणीखाल पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की बड़ी खेप सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को तिराह बैंड रिखणीखाल के समीप एक प्रेस लिखी संदिग्ध कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने जब उसे रोका तो कार सवार दो लोग पुलिस को ही हड़काने लगे।

शक होने पर पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो उसमें रखा 102 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इस पर पुलिस दोनो लोगों को थाने ले आयी। पूछताछ में उन्होने अपना नाम वंश अग्रवाल (उम्र 33 वर्ष) पुत्र शिव कुमार अग्रवाल, निवासी एम 81 रामगंगा बिहार, फेस–2 गेट हाउस, थाना मझोला एमडीए मुरादाबाद (उ.प्र.) व रोहित शर्मा (उम्र 21 वर्ष) पुत्र संजीव शर्मा, निवासी हरथला सब्जी मंडी, थाना सिविल लाइन मुरादाबाद, (उ.प्र.) बताया। पुलिस ने उनके वाहन को सीज कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ताबड़तोड़ बारिश से जनजीवन ठप: पूरे राज्य में दो दिन आफत की बारिश का अलर्ट

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीते कल से पूरे उत्तराखंड राज्य में ताबड़तोड़ बारिश का सिलसिला जारी है। वही मौसम विभाग द्वारा आज जारी किए गए पूर्वानुमान में 4 जुलाई तक कुमाऊँ मंडल के तीन जिलों में भारी से भी अत्यधिक भारी बारिश की संभावना के साथ राज्य के 9 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है जिसके बाद सभी जिला अधिकारियों व आपदा प्रबंधन विभाग को 24 घंटे अलर्ट

रहने व स्थिति पर नजर बनाए रखने को कहा गया है। सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई है तथा हर वक्त अपने

❑नदी-नाले-खाले उफान पर ,खतरे की मुनादी
❑कुमाऊं मंडल के 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूल बंद

मोबाइल फोन ऑन रखने को कहा गया है।

जिन तीन जिलों में अत्यधिक बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है उसमें अल्मोड़ा, बागेश्वर और चंपावत जिले शामिल हैं जबकि पिथौरागढ़, नैनीताल, देहरादून और उधम सिंह नगर सहित 6 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। बीते 24 घंटे से राज्य में लगातार बारिश का सिलसिला जारी है। आज सुबह से देहरादून में भी ताबड़तोड़ बारिश हो रही है जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई आवासीय क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति पैदा हो गई है। कुमाऊं के अत्यधिक प्रभावित जिलों में कक्षा

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

तीन दिनों में 51000 श्रद्धालुओं ने किए बाबा अमरनाथ के दर्शन

जम्मू। 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक 51,000 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। मंगलवार को 6,537 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिले के साथ कश्मीर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 6,537 तीर्थयात्री जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया, इनमें से 2106 श्रद्धालु 105 वाहनों के सुरक्षा काफिले के साथ सुबह 3.05 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए,

जबकि 4,431 तीर्थयात्री 156 वाहनों में सवार होकर सुबह 3.50 बजे नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुए। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आमतौर पर बादल छाए रहने और सुबह के समय हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है। यात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग या 14 किलोमीटर वाले छोटे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने वाले दर्शन करने के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं।

पुलिस मुठभेड़ में एक लाख का ईनामी चवन्नी ढेर

हमारे संवाददाता

जौनपुर। एक लाख रूपये के कुख्यात ईनामी बदमाश की आज सुबह पुलिस व एसटीएफ की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ हो गयी। इस मुठभेड़ में यह बदमाश मारा गया। बताया जा रहा है कि इस बदमाश पर यूपी और बिहार में लगभग दो दर्जन मुकदमें दर्ज है।

जौनपुर के पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने बताया कि आज तड़के बदलापुर क्षेत्र में एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में सुमित सिंह उर्फ मोनू चवन्नी मारा गया। बताया कि सुमित सिंह पर यूपी और बिहार मे 24 आपराधिक मामले दर्ज थे। उन्होंने बताया कि सुमित सिंह

●एक एके-47 रायफल, एक पिस्टल और कार बरामद

का खासा लंबा आपराधिक इतिहास था और उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के गाजीपुर, बलिया और जौनपुर तथा बिहार के कुछ जिलों में कुल 24 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। उस पर एक लाख रुपए का ईनाम भी घोषित किया गया था। शर्मा ने बताया कि एसटीएफ और पुलिस को बदलापुर क्षेत्र में सुमित सिंह की मौजूदगी की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि संयुक्त टीम ने जब मौके पर पहुंचकर उसे पकड़ने का प्रयास किया तो उसने टीम पर गोलियां चला दीं और इस दौरान जवाबी कार्रवाई में सुमित सिंह को गोली लगी।

उन्होंने बताया कि सिंह को पास के ही स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के बाद मौके से एक ए. के. 47 रायफल, एक पिस्तौल और एक कार बरामद की गई है। बताया कि मुठभेड़ के दौरान सुमित सिंह के दो साथी भाग गए। उनकी तलाश जारी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

नए न्याय कानून

समय के साथ समाज की स्थितियों और परिस्थितियों तथा सच में भी बड़ा बदलाव आता है। नियम कानून, रीति रिवाज और परंपराओं में परिवर्तन होता है। तथा परिवर्तन समय का सापेक्ष गुण भी है। बीते कल देश के आपराधिक कानूनो को बदल दिया गया है। कोई भी बदलाव हमेशा अच्छा या बुरा नहीं हो सकता। लेकिन सकारात्मक बदलाव ही समाज के बेहतर विकास का आधार बन सकता है। सरकार द्वारा जो तीन नए आपराधिक कानून लाए गए हैं उन्हें लेकर कई तरह की शंकाएं आशंकाएं हो सकती है लेकिन यह बदलाव कितने कारगर सिद्ध होते हैं इसका फैसला आने वाला समय ही करेगा। इन कानूनों से समाज में आपराधिक मामलों को कितना कम किया जा सकता है तथा आम आदमी को न्याय दिला पाने में यह कानून कितने प्रभावी साबित होते हैं? यह सबसे अहम सवाल है। इन नए कानूनो के मुताबिक अब पीड़ित पक्ष अपनी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकेगा। देश में जीरो एफआईआर की व्यवस्था तो बहुत पहले से ही लागू है। एक आम नागरिक की सबसे बड़ी समस्या यही थी कि पुलिस उसकी शिकायत दर्ज करने में मनमानी करती थी। लोग थाने व चौकी के चक्कर लगाकर थक जाते थे फिर भी पुलिस उनकी बात सुनने को तैयार नहीं होती थी लेकिन अब वह ऑनलाइन अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। एक तय समय सीमा मैं उन्हें एफआईआर लिखने से लेकर चार्ज शीट तक तैयार करनी होगी। किसी व्यक्ति को एक समन या नोटिस तामील कराने के लिए उसे ढूंढना मुश्किल हो जाता था। लेकिन अब पुलिस को भी इसके लिए ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। वह एस एम एस और ईमेल के जरिए यह काम कर सकेगी। पुलिस द्वारा रात के अंधेरे में छापेमारी और तलाशी की जो कार्रवाई की जाती थी उसकी तथा कुर्की और जब्ती की भी वीडियो ग्राफी अनिवार्य रूप से करनी होगी। यही नहीं पीड़ित को न्याय पाने के लिए कई कई साल तक अब कोर्ट के चक्कर नहीं काटने होंगे। यानी न्यायपालिका को तारीख पर तारीख और न्याय न मिल पाने की अवधारणा से भी यह नए कानून मुक्ति दिलाएंगे तथा एक तय समय सीमा में हर एक मुकदमे का निस्तारण करना होगा। देखने सुनने में यह सब भले ही बहुत अच्छा लग रहा हो लेकिन इसे व्यावहारिक रूप से धरातल पर उतारने में तमाम तरह की दिक्कत इन भी है। इन कानूनों को सरकार द्वारा बिना किसी तैयारी के ही लागू कर दिया गया है। आमतौर पर पुलिस विभाग के पास अत्याधुनिक संसाधनों की कमी की बात हम सभी ने सुनी है हमारे कितने थाने और चौकी इन नए कानूनो के लिए पर्याप्त सुविधाओं से लैस है? यही सवाल नहीं है पुलिस कर्मियों को अब किस तरह की कार्य पद्धति के साथ काम करना है क्या इसके लिए उन्हें प्रशिक्षित किया गया है? तमाम ऐसे सवाल है जो व्यावहारिक दिक्कतें पेश करने वाले हैं। हमारे न्यायालयों में जजों की संख्या का कम होना भी एक बड़ी मुश्किल है। आज के हालात पर गौर करें तो वादी प्रतिवादी तारीख पर कोर्ट जाते हैं और पता चलता है कि आज जज साहब नहीं बैठेंगे? और मुंशी उन्हें अगली तारीख देकर घर भेज देते हैं। इन नए कानून का सारा दारोमदार डिजिटल सिस्टम पर आधारित है लेकिन देश के दूर दराज वाले क्षेत्रों में कनेक्टिविटी की ही नहीं अन्य तमाम तरह की समस्याएं भी हैं ऐसे में यह कानून बनाने या लागू करने का क्या लाभ होगा। इन कानून को कितने प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है इस पर ही इसकी सफलता असफलता निर्भर करेगी।

केंद्रीय खाद्य मंत्री ने राज्य हित मे पूर्ण सहयोग का दिया आश्वासन

संवाददाता

नई दिल्ली। बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने केन्द्रीय खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी से शिष्टाचार भेंट की। केन्द्रीय मंत्री ने उत्तराखण्ड को राज्य हित में पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। आज यहां नई दिल्ली में उत्तराखंड सरकार में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने केंद्रीय महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और केंद्रीय खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी से शिष्टाचार भेंट की। कैबिनेट मंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों को देश मे मोदी सरकार 3 बार बनने व केंद्रीय मंत्री बनने की बधाई व शुभकामनायें दीं। इस दौरान मंत्री रेखा आर्या ने केंद्रीय मंत्रियों से विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की,साथ ही देवभूमि उत्तराखंड में संचालित केंद्र पोषित योजनाएं कितनी अच्छे से संचालित है, के बारे में अवगत कराया और राज्य पोषित योजनाओं पर चर्चा की। केंद्रीय बाल विकास और केंद्रीय खाद्य मंत्री द्वारा मंत्री रेखा आर्या को उत्तराखंड राज्य हित मे पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया।

पत्तो जगार प्रत्यञ्चमत्ति शीर्ष्णा शिरः प्रति दधौ वरूथम्।
आसीन ऊर्ध्वामुपसि क्षिणाति न्यङ्ङुत्तानामन्वेति भूमिम्॥
(ऋग्वेद १०-२७-१३)

परमेश्वर सृष्टि को चरणबद्ध तरीके से निगलता है अर्थात प्रलय काल आता है सृष्टि समाप्त हो जाती है। प्रकृति का शीर्ष प्रकाश उसमें सीमट जाता है अर्थात मूल प्रकृति को वह धारण करता है। वापस सृष्टि का जब परमेश्वर सृजन करता है वह भी चरणबद्ध तरीके से कर सृष्टि को प्रकट करता है।

तहसील दिवस में 6 शिकायतें हुई दर्ज, 2 का मौके पर ही किया गया निराकरण

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। क्षेत्रीय जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती की अध्यक्षता में आज तहसील रुद्रप्रयाग सभागार में माह जुलाई का प्रथम तहसील दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्रीय जनता द्वारा 06 शिकायतें दर्ज की गई जिसमें 02 का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष शिकायतों को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

आयोजित मुख्यमंत्री जन समर्पण/तहसील दिवस के अवसर पर गहड़खाल गांव के सुरेंद्र सिंह ने गांव के कालोगढ़ से बड़कोट तक पेयजल पाइप लाइन तथा चौंबर टूटने की शिकायत दर्ज की। बेड़ासारी निवासी अनिल लाल ने विजयनगर झूला पुल से भिनकुली तीली तक दो पहिया वाहन सड़क निर्माण करने के संबंध में प्रार्थना-पत्र दिया। फलासी गांव की अंजना देवी ने उनके पेयजल कनेक्शन पर पानी न आने की शिकायत दर्ज की। फतेहपुर गांव के प्रदीप चंद्र ने फतेहपुर पेयजल योजना को पुराने स्रोत से ही नव निर्माण करते हुए पेयजल उपलब्धता कराने के संबंध में प्रार्थना-पत्र दिया। इस तरह आयोजित तहसील दिवस में कुल 06 समस्याएं दर्ज की गई जिनमें 02 शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया जबकि शेष शिकायतों का निराकरण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

आयोजित तहसील दिवस के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि तहसील दिवस को अब मुख्यमंत्री जन समर्पण दिवस के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें दर्ज शिकायतों को डिजिटलीकरण करने के उद्देश्य से बउरे.ना.हवअ.पद वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड कर दी गई हैं तथा संबंधित विभागों को उन शिकायतों का तत्परता से एवं समय सीमा के अंतर्गत उनका निराकरण करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन की प्राथमिकता है कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं का यथासंभव प्राथमिकता से निराकरण किया जाए।

मुख्यमंत्री जन समर्पण/तहसील दिवस के अवसर पर उप जिलाधिकारी आशीष चंद्र घिल्डियाल, तहसीलदार राम किशोर ध्यानी, जिला उद्यान अधिकारी योगेंद्र सिंह चौधरी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र महेश प्रकाश, परियोजना अधिकारी उरेड़ा राहुल पंत, युवा कल्याण अधिकारी वरद जोशी, जिला पंचायत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत, मत्स्य प्रभारी संजय सिंह, खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि प्रवीण भट्ट, शिकायत प्रकोष्ट प्रभारी विनोद कुमार सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीण मौजूद रहे।

जोशी ने की सैन्यधाम से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत

संवाददाता

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सैन्यधाम से 'एक पेड मां के नाम' अभियान की शुरूआत की।

आज यहां प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सैन्यधाम स्थल गुनियाल गांव देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मां के सम्मान में आवला के पौधे का रोपण कर वृक्षारोपण किया और 'एक पेड़ मां के नाम' के अभियान की सैन्य धाम से शुरुवात की। अभियान के तहत सैन्यधाम स्थल में 200 से अधिक विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में इस राष्ट्रव्यापी अभियान में अधिक से अधिक अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रदेशवासियों से अपील की। जोशी ने कहा जिस प्रकार जलवायु परिवर्तन तथा पेड़ों पौधों के कटान से जल स्रोत सुख रहे हैं। ऐसे वृक्षारोपण करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न केवल पेड़ लगाना जरूरी है, बल्कि जब तक पेड़ मजबूत स्थिति न हो जाए तब तक उसकी देखभाल करना भी आवश्यक है। मंत्री ने बताया इस वर्ष प्रकृति को समर्पित हरेला पर्व पर जल संवर्धन की दिशा में कारगर सिद्ध होने वाले प्रजाति के पौधे लगाए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मां की स्मृति में या उनके सम्मान में पेड़ लगाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्री ने कहा मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से अपनी मां के सम्मान के साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी। मंत्री ने प्रदेश वासियों से अधिक संख्या में वृक्षारोपण करने भी आव्हान किया। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने सैन्य धाम के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली और अधिकारियों को निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, मंडल अध्यक्ष राकेश रावत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक पुंडीर, निदेशक सैनिक कल्याण अमृत लाल, बीजेपी युवा मोर्चा अध्यक्ष विनय गुप्ता, लक्ष्मण रावत सहित विभागीय अधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महर्षि पतंजलि ने योग की जटिलताओं को एक सूत्र में पिरोया जिसे हम पतंजलि योगसूत्र के नाम से जानते है

योग एक अति प्राचीन कला है जिसकी उत्पत्ति भारत में लगभग ६००० साल पहले हुई थी।योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के युज धातु से हुई है, जिसके दो अर्थ हैं - एक अर्थ है; जोडऩा और दूसरा अर्थ है - अनुशासन। ऐसा माना जाता है कि योग की उत्पत्ति ब्रह्माण्ड में मानव जीवन की उत्पत्ति के पूर्व हुई है।योग का जन्म धर्म एवं आस्था के जन्म से पूर्व हुआ है क्योंकि सर्वप्रथम योग गुरु भगवान शिव को माना जाता है। भगवान शिव को आदियोगी भी कहते हैं।कई हजार वर्ष पहले, हिमालय में कांति सरोवर झील के तटों पर आदि योगी ने अपने प्रबुद्ध ज्ञान को अपने प्रसिद्ध स?तऋषि को प्रदान किया था। सप्तऋषियों ने योग को पूरे विश्व में यथारूप में फैलाया। महर्षि अगस्त ने विशेष रूप से भारतीय उपमहाद्वीप का दौरा कर इस महाद्वीप में योग संस्कृति की उत्पत्ति की आधारशिला रखी। सिंधु घाटी सभ्यता में कई मूर्तियां और जीवाश्मों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है कि योग सिंधु घाटी सभ्यता के लोगो के जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग था।हिन्दू ,बौद्ध और जैन समाज की प्राचीन परंपराओं , दर्शन शास्त्रों,वेदों, उपनिषद्, रामायण, महाभारत एवं पवित्र श्रीमद् भगवत गीता में योग का उल्लेख भारत में योग के प्राचीन काल से विद्यमान होने के प्रयाप्त साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं।प्राचीन काल में योग करने के काफी कठिन नियम होते थे। सामान्यत: लोग गृहस्तजीवन त्याग कर वनो में कठिन योग क्रियाएं करते थे ।परंतु समय के साथ ही योग की जटिलताओं को अनेक ऋषियों ने सामान्य करने का प्रयास किया है।परंतु महर्षि पतंजलि इस क्रम में एक अलग ही ख्याति अर्जित करने में सफल हुए क्योंकि महर्षि पतंजलि ने योग की जटिलताओं को एक सूत्र में पिरोया जिसे हम पतंजलि योगसूत्र के नाम से जानते है। वर्तमान काल में भी पतंजलि योगसूत्र से व्यक्ति सामान्यत: परिचित है। इस सूत्र को अष्टांग योग के नाम से भी जानते है जो कि यम,नियम,आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा,ध्यान , समाधि से मिलकर बना है।२० वीं सदी के अंतिम चरण से वर्तमान 21 वीं सदी तक आसन एवं प्राणायाम मुख्य रूप से प्रचलन में हैं।

योग सूत्र के प्रणेता महर्षि पतंजलि ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है - 'योगष्चित्तवृत्तिनिरोध:' अर्थात् चित्त की वृत्तियों का निरोध करना ही योग है। चित्त का तात्पर्य, अन्त:करण से है। वहीं,महर्षि याज्ञवल्क्य ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है- 'संयोग योग इत्युक्तो जीवात्मपरमात्मनो।' अर्थात जीवात्मा व परमात्मा के संयोग की अवस्था का नाम ही योग है श्रीमद्भगवद्गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कुछ इस प्रकार से परिभाषित किया है। योगस्थ: कुरू कर्माणि संगं त्यक्त्वा धनंजय। सिद्धयसिद्धयो: समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते॥ अर्थात् - हे धनंजय ! तू आसक्ति त्यागकर समत्व भाव से कार्य कर। सिद्धि और असिद्धि में समता-बुद्धि से कार्य करना ही योग हैं।योग: कर्मसुकौशलम्। अर्थात् कर्मो में कुशलता में कुशलता ही योग है लिंग पुराण मे महर्षि व्यास ने कहा है कि -सर्वार्थ विषय प्राप्तिरात्मनो योग उच्यते। अर्थात् आत्मा को समस्त विषयो की प्राप्ति होना योग कहा जाता है।(आरएनएस)

गर्मी से हाल बेहाल और जल संकट

गर्मी के कारण हाल बेहाल है। समूचा उत्तर भारत तप रहा है। बुजुर्गों की स्मृति में भी नहीं है कि उन्होंने पहले कभी इतनी प्रचंड गर्मी की लगातार मार सही हो। दिल्ली और एनसीआर जैसे क्षेत्रों से लू के कारण मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

और दूसरी तरफ जब देश की राजधानी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है तो देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। जो हो रहा है, वह अनायास या अचानक नहीं हो रहा है। दुनिया भर के पर्यावरणविद् और जलवेत्ता वर्षों से इस स्थिति की आशंका के प्रति चेतावनी जारी करते रहे हैं। भारत में भी बदलते तापमान और तद्जन्य समस्याओं को लेकर लगातार अपनी बातें सामने रखते रहे हैं।

पानी के संकट को लेकर और देश भर में भूजल स्तर की डरावनी गिरावट को लेकर भी चेतावनियां जारी होती रही हैं। इसका कारण खोजने के लिए अतिरिक्त अन्वेषण की जरूरत नहीं है। असंतुलित विकास की भेंट चढ़े देश के वन जंगल, निर्ममता से नष्ट किए गए स्थानिक जल स्रेत और जल संसाधनों पर तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण यह स्थिति पेश हुई है।

देश भर में गांव-देहातों तक जिन छोटी-छोटी नदियों का जाल बिछा हुआ था और जो पोखर तालाब जल के संरक्षण के मुख्य वाहक होते थे, वे अब कहीं दिखाई नहीं देते। मनुष्य के अनियंत्रित लालच और हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने स्थितियों को कई गुना जटिल किया है तिस पर राजनीतिक दलों की बेहयाई समस्या की आग में घी डालती रहती है।

सबसे ज्यादा मौजूदा उदाहरण इस समय दिल्ली का है। दिल्ली में दिल्लीवासियों की कथित सेवा को समर्पित आम आदमी पार्टी की सरकार है, और केंद्र में देश हित के लिए जीने-मरने का दावा करने वाली भाजपा सरकार है और तमाशा यह है कि दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधि दिल्ली के जल संकट के लिए एक दूसरे पर पूरी बेशर्मी से हल्ला बोल रहे हैं।

जब दिल्ली के लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं उस समय दो जिम्मेदार पार्टियों और उनकी सरकारों के इस रवैये को शर्मनाक ही कहा जा सकता है।

कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर वास्तविक समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को रुख इतना गैर-जिम्मेदार है, तो देश और इसकी राजधानी को आने वाले भयानक संकटों से कोई नहीं बचा पाएगा।(आरएनएस)

पहली ही बरसात में राज्य भर में तैयारियों की खुली पोल: धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि पहली ही बरसात में राजधानी ही नहीं राज्य भर में सरकार की तैयारियों की पोल खुल गयी है।

आज यहां अपने कैंप कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कांग्रेस के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि राज्य सरकार व आपदा प्रबंधन विभाग के बरसात में आपदा व जल भराव से निपटने की सरकार की तैयारियों के दावों की पोल राज्य में प्री मानसून की पहली बरसात में ही खुल गई। उन्होंने कहा कि कहा कि और राजधानी देहरादून हरिद्वार, ऋषिकेश, कोटद्वार, पौड़ी और हल्द्वानी समेत अनेक जगहों पर बरसात के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बन गई और हरिद्वार में सूखी नदी पे खड़े दर्जनों चार पहिया वाहन बह कर गंगा जी में पहुंच गए। धस्माना ने कहा कि राजधानी के अनेक इलाके एक घंटे से कम की बारिश में जल मग्न हो गए जबकि मई के महीने से ही हमारे द्वारा सरकार शासन जिला प्रशासन व नगर

निगम से यह मांग की जा रही थी कि मानसून आने से पहले बारिश से होने वाले नुकसान व जल भराव की समस्या के समाधान को एजेंसियां तैयार रहें और इस पर सरकार, आपदा प्रबंधन विभाग, जिला प्रशासन व नगर निगम बड़े बड़े दावे कर रहे थे तैयारियों की बाबत किंतु प्री मानसून की कुछ बौछारों ने ही इनकी सारी तैयारियों की पोल खोल दी। धस्माना ने कहा कि राजधानी देहरादून में स्मार्ट सिटी के नाम पर जो काम किया गया उसकी भी पोल खुल रही है, उन्होंने कहा कि शहर के हृदय स्थल घंटाघर में पिछले कई महीनों से न्यू मार्केट के सामने नाले के ऊपर फुटपाथ के स्लैब उखाड़े गए थे नाले की मरम्मत के लिए जो काम आज तक पूरा नहीं हो पाया है इसी प्रकार राजपुर रोड में डाइवर्जन से लेकर पुराना राजपुर ओल्ड मसूरी रोड की दोनों ओर साइकिलिंग ट्रैक बनाई जा रही है पिछले एक साल से वो काम भी कछुए की चाल से चल रहा है और पिछले दो सालों में एमडीडीए की मेहरबानी से बिना पार्किंग की सुविधा के दो दर्जन से ज्यादा बड़े रेस्तरां व कैफे खुल गए है और इनके ग्राहकों के चौपहिया वाहन राजपुर रोड पर पार्क किए जा रहे हैं जिससे रास्ता जाम की स्थिति बनी रहती है और निर्माण स्थल पर जल भराव होने लगा है। धस्माना ने कहा कि जब प्री मानसून की छुटपुट बारिश में राज्य की राजधानी का यह हाल हो रहा है तो पूरी बरसात में क्या स्थितियां बन सकती हैं इस का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वे राज्य के मुख्यमंत्री जो आपदा प्रबंधन विभाग के भी मंत्री हैं उनसे मिल कर इस विषय पर मिल कर मांगपत्र व सुझावपत्र सौंपेंगे।

कम्पनियों की फ्रेंचायजी के नाम पर ठगे नौ लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। कम्पनियों की फ्रेन्चायजी के नाम पर नौ लाख की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओल्ड सर्वे रोड निवासी अद्वितीय सौन्धी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके द्वारा विभिन्न कम्पनियो की फ्रन्चायजी लेने हेतु समय-समय पर गुगल पर सर्च किया जाता था जिसके उपरान्त उसके मोबाईल पर फेसबुक पर विभिन्न कम्पनियो की फ्रन्चायजी हेतु आवेदन करने हेतु एड दिखे जिसपर उसके द्वारा उनके बताये अनुसार फेसबुक पर ही आवेदन फार्म भरा गया जिसके उपरान्त उसके पर फोन आया कि वहं टाटा कन्जुमर प्रोडेक्स का आरएम बिनोद कुमार बोल रहा है।

जानकारी लेने के बाद बोला कि वह उसकी मेल आईडी जो उसके द्वारा आवेदन फार्म में भरा है, पर आपको मेल के माध्यम से पत्राचार करेगे। जिसके उपरान्त उनके द्वारा मेल आईडी से मेल की गयी जिसमें उनके द्वारा उसको कम्पनी के नियम व प्रस्ताव के सम्बन्ध में अवगत कराकर रजिस्ट्रेशन के लिए 25000 रुपये खाते सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया में जमा करने हेतु कहा गया तथा उसके व्यक्तिगत विवरण आधारकार्ड पेनकार्ड आदि मांगे गये उसके उपरान्त मेल पर कम्पनी के साथ हुये शपथ पत्र की प्रति भेजी तथा एग्रीमेन्ट फीस के नाम पर इण्डियन आबरसीज बैंक में 95200 रुपये जमा कराये गये। इसी प्रकार अज्ञात मोबाइल धारकों के द्वारा उससे टाटा कन्जुमर प्रोडेक्स व रिलाइन्स केम्पा कोला व आईटीसी का अधिकारी कर्मचारी बनकर नौ लाख 27 हजार 350 रूपये की ठगी की गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी ने नई बस्ती पुल के पास व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 53 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम उमेद सिंह रावत पुत्र कुंवर सिंह रावत निवासी नई बस्ती मोथरोवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जमीन के नाम पर डेढ़ करोड की धोखाधडी में बाप-बेटी के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर डेढ करोड की धोखाधडी करने पर पुलिस ने बाप बेटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएमएस रोड निवास राकेश चंद ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वर्ष 2021 में मौहम्मद शादिक पुत्र मौहम्मद शफीक निवासी निवासी मेहूंवाला, शिमला बाईपास मार्ग, देहरादून नाम के व्यक्ति से परिचय हुआ था, जिसके पश्चात उक्त व्यक्ति द्वारा उसको विश्वास दिलाया गया कि वह भूमि क्रय-विक्रय करने का कार्य करता है तथा उसके द्वारा उसको कुछ समय पश्चात अतीक अहमद मेहूंवाला माफी, देहरादून, से मुलाकात करवायी गयी तथा कहा गया कि उक्त व्यक्ति अपनी भूमि विक्रय कर रहा है तथा अतीक अहमद के पास 25 बीघा भूमि है. उक्त भूमि को मौहम्मद शादिक, अतीक अहमद, अतीक अहमद की पुत्री आयशा, अतीक अहमद की पत्नी व उसके दो पुत्रों द्वारा अपनी भूमि बताकर उसको दिखायी गयी तथा उसको विश्वास दिलाया गया कि उक्त भूमि हर प्रकार से पाक व साफ है तथा उक्त भूमि का सौदा उसके साथ 40 लाख रूपये प्रति बीघा की दर से तय कर दिया गया, जिसकी एवज में उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा उससे अलग-अलग माध्यमों से लगभग एक करोड़ पैंसठ रूपये प्राप्त कर लिये गये थे, उपरोक्त समस्त धनराशि उसके द्वारा अपनी व अपने परिचित लोगों से एकत्रित कर व्यक्तियों को दी गयी, परन्तु उक्त धनराशि देने के पश्चात भी उपरोक्त व्यक्ति उसको झूठा झांसा देते रहे कि वह जल्द ही उसके नाम कभी 6 बीघा व कभी 4 बीघा का बैनामा कराने के लिये आश्वासन देते रहे, परन्तु काफी लम्बे समय तक जब उनके द्वारा उसके पक्ष में बैनामा नहीं कराया गया जब उसके द्वारा उक्त व्यक्तियों से बैनामा करवाने का अनुरोध कई बार किया गया तो उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा उसको धमकी दी गयी कि उनकी अच्छी पहचान है जहां जाना हो चले जाओ अगर पैसे मांगे तो परिवार सहित जान से मार देंगे।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पाठों में बदलाव साकारात्मक नजरिया

प्रमोद भार्गव

राष्ट्रीय शैक्षिक एवं अनुसंधान और प्रषिक्षण परिषद् (ह्ष्टश्वक्रञ्ज) की पुस्तकों में पढ़ाए जाने वाले पाठों में बदलाव की शुरुआत साकारात्मक नजरिए से हो गई है।

अब 12वीं कक्षा की राजनीति विज्ञान की किताब में से बाबरी मस्जिद, हिंदुत्व की राजनीति 2००2, गुजरात दंगों से जुड़े पाठ को हटा दिया है। इसकी जगह 'राम जन्मभूमि आंदोलन की विरासत क्या है' इस पाठ को जोड़ा गया है। इससे पहले इतिहास की पुस्तकों में राखीगढ़ी और आर्यों के मूल स्थान से जुड़े पाठ जोड़े गए हैं।

एनसीआरटी की पुस्तकों में वाकई सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। इसके पहले भारतीय ज्ञान प्रणाली के संदर्भ में महरौली के लौह स्तंभ के बारे में भी बताया गया है। ऋग्वेद में लोहे के आविष्कार के बारे में बताया गया है। इसी क्रम में सोना, तांबा और कांसा धातुओं के अविष्कार किए गए। अतएव ऐसे पाठों को जोडऩा भारतीय विज्ञान की विरासत को छात्रों के सामने लाना है। इसी क्रम में भारत के इतिहास में आर्य अब आक्रामणकारी नहीं, बल्कि भारतीय मूल के रूप में दर्शाए गए हैं।

21 वर्ष की खींचतान और दुनियाभर में हुए अध्ययनों के बाद आखिरकार यह तय हो गया कि 'आर्य सभ्यता' भारतीय ही थी। राखीगढ़ी के उत्खनन से निकले इस सच को देश के पाठ्यक्रमों में शामिल करने का श्रेय 'राखीगढ़ी मैन' के नाम से प्रसिद्ध हुए प्राध्यापक वसंत शिंदे को जाता है। एनसीईआरटी की कक्षा 12वीं की किताब में बदलाव किया गया है। इसमें इतिहास की पाठ्य पुस्तक में 'ईट, मोती और हड्डियां = हड़प्पा सभ्यता' नामक पाठ में आर्यों को मूल भारतीय होना बताया है। इसके अलावा कक्षा 7, 8, 1० और 11 के इतिहास और समाजशास्त्र के पाठ्यक्रमों में भी बदलाव किया गया है। इतिहास तथ्य और घटना के सत्य पर आधारित होता है।

इसलिए इसकी साहित्य की तरह व्याख्या संभव नहीं है। विचारधारा के चश्मे से इतिहास को देखना उसके मूल से खिलवाड़ है, परंतु अब आर्यों के भारतीय होने के संबंधी एक के बाद एक शोध आने के बाद इतिहास बदला जाने लगा है। इस सिलसिले में पहला शोध स्टेनफोर्ड विविद्यालय के टॉमस कीवीशील्ड ने किया था। 2००3 में 'अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स' में प्रकाशित इस शोध-पत्र में सबसे पुरानी जाति और जनजाति के वशांणु (जीन) के आधार पर आर्यों के भारत का मूल निवासी बताया गया था। हालांकि वर्ष 2००9 में वाराणसी हिंदू विविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो लालजी सिंह और प्रो. थंगराज ने भी आनुवांशिक परीक्षण के बाद आर्यों को मूल भारतीय बताया था।

2०19 में प्रो. वसंत शिंदे द्वारा राखीगढ़ी उत्खनन से मिले 4००० साल पुराने वंशाणु की जांच में सबसे बड़ा सच सामने आया। शोध में पाया गया कि राखीगढ़ी से मिला जीन वर्तमान के प्रत्येक भारतीय व्यक्ति में उपलब्ध है। इसके आधार पर यह तथ्य स्थापित हुआ कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति आर्यों द्वारा निर्मित है। एनसीआरईटी के इतिहास पाठ्यक्रम निर्धारण समिति के अध्यक्ष बनने पर प्रो. शिंदे ने इस तथ्य के आधार पर पाठ्यक्रम में संशोधन कराए हैं। इसी पुस्तक में मराठा शासक छत्रपति शिवाजी के नाम के साथ छत्रपति और महाराज जोड़ा गया है। इसी तरह कक्षा 12वीं के समाजशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम से सांप्रदायिक दंगों के चित्र हटाए गए हैं। इतिहास पुस्तकों में यह बदलाव सिनौली-राखीगढ़ी में हुए उत्खननों में मिले साक्ष्यों के आधार पर संभव हुआ है। प्रोफेसर शिंदे ने राखीगढ़ी के उत्खनन के समय बताया था कि अलग-अलग खुदाई में 1०6 से भी ज्यादा नर-कंकाल मिले हैं।

साथ ही भिन्न आकार व आकृति के हवन-कुंड और कोयले के अवशेष मिले हैं। तय है भारत में 5००० साल पहले हवन होते थे। यहीं सरस्वती और इसकी सहायक दृश्यवंती नदी के किनारे हड़प्पा सभ्यता के निशान मिले हैं। ये लोग सरस्वती की पूजा करते थे। आनुवांशिक संरचना के आधार पर हैदराबाद की संस्था 'सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी' के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध से जो निष्कर्ष सामने आए थे, उनसे स्पष्ट हुआ था कि मूल भारतीय ही 'आर्य' थे।

पाश्चात्य इतिहास लेखकों ने पौने दो सौ साल पहले जब प्राच्य विषयों और प्राच्य विद्याओं का अध्ययन शुरू किया तो बड़ी कुटिल चतुराई से जर्मन विद्वान व इतिहासविद् मैक्समूलर ने पहली बार 'आर्य' शब्द को जाति सूचक शब्द से जोड़ दिया। वेदों का संस्कृत से जर्मनी में अनुवाद भी पहली बार मैक्समूलर ने ही किया था। ऐसा इसलिए किया गया जिससे आर्यों को अभारतीय घोषित किया जा सके। जबकि वैदिक युग में 'आर्य' और 'दस्यु' शब्द पूरे मानवीय चरित्र को दो भागों में बांटते थे। प्राचीन साहित्य में भारतीय नारी अपने पति को 'आर्य-पुरुष' अथवा 'आर्य-पुत्र' नाम से संबोधित करती थी। इससे यह साबित होता है कि आर्य श्रेष्ठ पुरुषों का संकेत-सूचक शब्द था। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, पुराण व अन्य संस्कृत ग्रंथों में कहीं भी आर्य शब्द का प्रयोग जातिसूचक शब्द के रूप में नहीं हुआ है। आर्य का अर्थ 'श्रेष्ठि' अथवा 'श्रेष्ठ' भी है। यदि आर्य भारत में बाहर से आए होते तो प्राचीन विपुल संस्कृत साहित्य में अवश्य इस घटना का उल्लेख व स्पष्टीकरण होता।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

संगीत सुनने से मिल सकता है तनाव से छुटकारा

संगीत एक तरह की कला है, जिसे कई लोग वैश्विक भाषा भी कहते हैं। यह कई तरह के सुरों और ध्वनियों का माधुर संयोजन होता है, जो मन को सुकून पहुंचाता है।ज्यादातर लोग काम करते वक्त मन बहलाने के लिए संगीत का सहारा लेते हैं। संगीत सुनने से लोगों को तनाव से छुटकारा मिल सकता है और उनका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधर सकता है। आपको इस गतिविधि के जरिए ये 5 लाभ मिल सकते हैं।

अवसाद के इलाज में सहायक

इन दिनों वयस्कों के साथ-साथ जवान लोग भी अवसाद और चिंता के शिकार बनते जा रहे हैं।इस समस्या से निपटने के लिए लोग मनोविज्ञानियों के पास जाते हैं और थेरेपी व कई तरह के ट्रीटमेंट लेते हैं।हालांकि, संगीत सुनकर भी इस परेशानी से कुछ हद तक निजात पाया जा सकता है। जब हम निराश या उदास महसूस करते हैं, तब संगीत हमें बेहतर महसूस करवा सकता है।इससे मन के नकारात्मक ख्याल भी दूर हो जाते हैं।

बहतर होता है मूड

संगीत के जरिए किसी भी खराब दिन को अच्छा बनाया जा सकता है। संगीत में वह सकारात्मक प्रभाव होता है, जो आपके मूड को तुरंत बेहतर बना सकता है।यह हमें नया दृष्टिकोण रखने और दुनिया को खुशहाल नजरिए से देखने में मदद करता है। गुस्सा आने पर अपने पसंदीदा गानों की प्लेलिस्ट सुनें।आप अपने मूड को सुधारने के लिए खुशहाल और तेज संगीत सुन सकते हैं। सूफी या धार्मिक गीतों से भी मूड अच्छा हो जाता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

संगीत सुनना हमारे दिल के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है।संगीत सुनने से रक्तचाप को घटाने, कोर्टिसोल के स्तर को कम करने और हृदय गति को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।यह हृदय रोगों के इलाज में भी कुछ हद तक सहायता कर सकता है। कई लोगों को दिल से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए म्यूजिक यानि संगीत थेरेपी भी दी जाती है।

दर्द प्रबंधन में मददगार

संगीत शरीर में कोर्टिसोल के स्तर को नियंत्रित करके तनाव के स्तर को कम करने में मदद करता है।यह मस्तिष्क को दर्द के खिलाफ एक मजबूत प्रतिस्पर्धी संकेत भी प्रदान करता है, जिससे दर्द प्रबंधन में मदद मिलती है।

रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययनों से पता चलता है कि संगीत एंडोर्फिन जारी करके, कैटेकोलामाइन के स्तर को बदलकर या मरीजों का ध्यान भटका कर दर्द के स्तर को कम कर सकता है।

बढ़ती है तृप्ति की भावना

अक्सर लोग खाना खाते वक्त धीमी आवाज में हल्का और मनमोहक संगीत सुनना पसंद करते हैं। इससे लोग आराम से और धीमी गति से भोजन करते हैं।संगीत सुनते हुए खान-पान करने से लोगों का पेट कम खाने से भी भर जाता है। इससे तृप्ति की भावना को बढ़ाने में मदद मिलती है, जिसके लोग भूख से अधिक खाने से बच सकते हैं। मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने से आपको ये फायदे मिल सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -128

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

1		■	■	2		3	■	■
	■	4			■	5	6	
7			■		■	■		■
■	■		■	8	9			10
11		■	12	■		■	■	
	■	13		14		■	■	
	■	15			■	16		
17	18			■	19		■	
■		■	■	20			■	■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक127 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्रा
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

मिर्जापुर 3:कुर्सी की लड़ाई का खूनी खेल, पंकज त्रिपाठी ने चंद सेकंड में उड़ाया गर्दा

पकंज त्रिपाठी की फेमस वेब सीरीज मिर्जापुर 3 का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। सीरीज 5 जुलाई को अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी। अब सीरीज के तीसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फैंस मिर्जापुर 3 के ट्रेलर को काफी पसंद कर रहे हैं। इस बार भी शो में मिर्जापुर की कुर्सी को लेकर जंग देखने को मिलेगी।

मिर्जापुर 3 का ट्रेलर जबरदस्त है। फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं। पूरे ट्रेलर में पंकज त्रिपाठी अखिरी के चंद सेकंड में नजर आते हैं और भौकाल मचा देते हैं। उनकी एंट्री बिल्कुल पुरानी वाली वाइब देती है। फैंस उन्हें और उनकी आवाज को काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में जबरदस्त डायलॉग है।

अली फजल इस बार और खूंखार अवतार में नजर आने वाले हैं। इस बार ईशा तलवार और अंजुम शर्मा का किरदार और भी ज्यादा मजबूत नजर आएगा। वहीं रसिका दुग्गल का किरदार भी शो की कहानी में काफी ट्विस्ट एंड टर्न लाने वाला है। मिर्जापुर में खेल आज भी वही है, बस मोहरे बदल गए हैं। शो की कहानी में आगे क्या होता है ये देखना काफी मजेदार होगा।

बता दें कि मिर्जापुर के दोनों सीजन को फैंस ने खूब प्यार दिया है। शो में दिव्येन्दु शर्मा अहम रोल में थे। उनके कैरेक्टर मुन्ना भैया को फैंस ने भर-भरकर प्यार दिया था। लेकिन अब तीसरे सीजन में दिव्येन्दु शर्मा नजर नहीं आएंगे। दरअसल, दूसरे सीजन के आखिर में गुड्डू भैया और गोलू मुन्ना भैया को मारकर अपना बदला लेते हैं। फैंस शो में उन्हें बहुत मिस करने वाले हैं।

बता दें कि सीरीज में पकंज त्रिपाठी कालीन भैया के रोल में हैं। कालीन भैया मिर्जापुर के किंग हैं। हालांकि, वो अपनी कुर्सी बेटे मुन्ना को दे रहे थे। लेकिन मुन्ना की अब मौत हो चुकी है। मिर्जापुर की कुर्सी पर हर कोई आंख लगाए बैठा है। देखना मजेदार होगा कि आखिर सत्ता किसके हाथ में होगी।

शो की कास्ट की बात करें तो इसमें पंकज त्रिपाठी के अलावा अली फजल, रसिका दुग्गल, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, विजय वर्मा, श्वेता त्रिपाठी, ईशा तलवार और अंजुम शर्मा जैसे स्टार्स हैं। सभी एक्टर्स की अपनी स्ट्रॉन्ग रीच है। शो के पहले और दूसरे सीजन में पहले विक्रांत मैसी, श्रिया पिलगांवकर और कुलभूषण खरबंदा जैसे स्टार्स भी नजर आए। हालांकि, शो में उनके कैरेक्टर्स की मौत हो गई।

आगामी फिल्म सूबेदार की तैयारी में जुटे अनिल कपूर

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने घोषणा की है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। अभिनेता सुबेदार पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म पर काम रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 के प्रीमियर से कुछ दिन पहले शुरू किया है। अब अगले कुछ महीनों तक अनिल अपने दोनों परियोजनाओं पर काम करते रहेंगे।

अनिल कपूर ने सुबेदार की तैयारी करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की और इसकी इसकी घोषणा की। अभिनेता आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में वे अपने ट्रेनर की गर्दन पकड़े हुए इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ अभिनेता ने लिखा, अभी तो हाथ उठा ही कहां है, यह तो बस तैयारी है। उन्होंने यह भी बताया कि यह उनकी आगामी फिल्म सूबेदार की तैयारी के लिए है।

वहीं फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित सूबेदार एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जो कभी देश के लिए लड़ा था। अब उसका सामना दुश्मनों से है, जो उसके घर और परिवार को नष्ट करना चाहते हैं। अभी तक फिल्म के लिए अनिल कपूर के अलावा किसी अन्य अभिनेता की पुष्टि नहीं हुई है। यह फिल्म अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट, ओपनिंग इमेज और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है। सूबेदार के निर्माता विक्रम मल्होत्रा, सुरेश त्रिवेणी और अनिल कपूर हैं। वहीं त्रिवेणी ने निर्देशक के रूप में कमान संभाली है। पटकथा त्रिवेणी और प्रज्वल चन्द्रशेखर ने मिलकर लिखी है। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा होनी अभी बाकी है।

सूर्या 44 से जुड़ीं पूजा हेगड़े

अभिनेत्री पूजा हेगड़े के पास एक रोमांचक नया प्रोजेक्ट है। अभिनेत्री को निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज की नई फिल्म सूर्या 44 के लिए चुना गया है। एक्स पर जाते हुए, कार्तिक ने पारंपरिक सोने के आभूषणों के साथ साड़ी पहने पूजा की तस्वीर साझा करके इसकी आधिकारिक घोषणा की। आगामी फिल्म में पूजा अभिनेता सूर्या के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

मुख्य अभिनेत्री पूजा हेगड़े का स्वागत करते हुए कार्तिक सुब्बाराज ने एक्स पर लिखा, सूर्या 44 के लिए पूजा हेगड़े का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। फिल्म में आपका स्वागत है। पोस्टर में पूजा पारंपरिक पोशाक में नजर आ रही हैं। मुगामुडी और बीस्ट के बाद यह पूजा हेगड़े की तीसरी तमिल फिल्म है। इस बीच, मलयालम अभिनेता जयराम का एक पोस्टर के साथ स्वागत किया गया जिसमें लिखा था, एक व्यक्ति जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, जो अपनी परफॉर्मेंस में जान डाल देते हैं। जयराम आपका सूर्या 44 की टीम में स्वागत है। पोस्टर में जयराम चश्मा लगाए बेहद गंभीर नजर आ रहे हैं। पूजा और जयराम के सूर्या 44 से जुड़ने की खबर ने फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। कार्तिक ने घोषणा की कि सूर्या 44 का पहला शेड्यूल पोर्ट ब्लेयर, अंडमान में शुरू हो रहा है। इससे पहले आज, जयराम और मुख्य अभिनेता सूर्या को पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे पर देखा गया, जिससे पुष्टि हुई कि जयराम पहले शेड्यूल का हिस्सा होंगे और फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सूर्या भी इस शेड्यूल में शामिल हो रहे हैं। अभी तक सूर्या 44 शीर्षक से मशहूर फिल्म में संतोष नारायणन का संगीत और श्रेयस कृष्ण की सिनेमैटोग्राफी देखने को मिलेगी।

अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में की नई रिलीज तारीख से उठा पर्दा

अक्षय कुमार आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। खेल खेल में उनकी आने वाली चर्चित फिल्मों में शुमार हैयह फिल्म 6 सितंबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने इस फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया हैइस फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए आपको ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। खेल खेल में अब 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों का रुख करने वाली है। बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में का

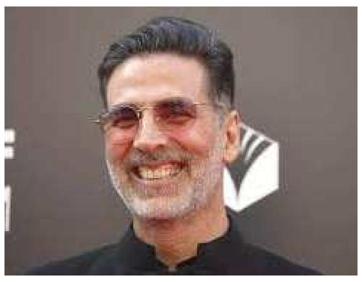

सामना जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा से होगी।

खेल खेल में भूषण कुमार के प्रोडक्शन हाउस टी-सीरीज के बैनर तले बन रही है, जो कॉमेडी, ड्रामा और इमोशंस से भरपूर होगी।मुदस्सर अजीज ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।तापसी पन्नू, वाणी कपूर और फरदीन खान भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।

इस साल स्वतंत्रता दिवस पर कॉमेडी से लेकर एक्शन और रोमांस का तड़का लगने वाला है। अब देखना दिलचस्प होगा कि किसकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब होती है।

अक्षय कुमार से लेकर जॉन अब्राहम अपनी बेहतरीन फिल्मों के साथ दर्शकों के सामने आने वाले हैं।

सलमान खान ने सिकंदर की शूटिंग की शुरु

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। वहीं एक्टर ने हाल ही में अपनी फिल्म 'सिकंदर' की अनाउंसमेंट की थी जिसके बाद फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। वहीं सलमान खान ने अपनी इस मोस्ट अवेटेड फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। फिल्म के सेट से सलमान खान के लुक की तस्वीर भी सामने आ गई है।

'सिकंदर' साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित फिल्म है। इस फिल्म की शूटिंग मंगलवार को मुंबई में शुरू हुई। जहां टीम सलमान खान के साथ एक रोमांचक मिड एयर एक्शन सीक्वेंस शूट करेगी।

वहीं सलमान और नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के सेट से एक बीटीएस तस्वीर शेयर कर नई जर्नी की शुरुआत की अनाउंसमेंट की है। बीटीएस तस्वीर में सलमान, साजिद और मुरुगादॉस सेट पर हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा गया, सिकंदर तिकड़ी! सीधे फिल्म के सेट से!

बीटीएस फोटो ने फैंस को काफी एक्साइटेड कर दिया है। फैंस अब पोस्ट के कमेंट सेक्शन में अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, अब आएगा ना मजा।।एक्साइटेड, जबकि एक अन्य ने लिखा, सांस रोककर अगले अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। एक और ने कमेंट सेक्शन में लिखा, एक एक्शन प्रोमो से अनाउंस भी कर दीजिए, प्लीज आप लोग।

टीम ने ये भी कंफर्म किया है कि ये एक्शन से भरपूर एंटरटेनर फिल्म ईद 2025 में रिलीज होने वाली हैय बता दें कि मार्च में, साजिद ने सलमान के साथ सिकंदर की अनाउंसमेंट की थी। फिल्म में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगीसलमान ने भी ट्वीट किया था, एक बहुत ही रोमांचक फिल्म के लिए बेहद टैलेंटेड एआर मुरुगदार और मेरे दोस्त, साजिद नाडियाडवाला के साथ जुड़कर खुशी हुई !! ये कोलैबोरेशन खास है, और मैं आपके प्यार और आशीर्वाद से इस जर्नी का इंतजार कर रहा हूं। ईद 2025 पर रिलीज होगी।फिलहाल फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

वन संपदा का नुकसान

अखिलेश आर्येन्दु

नवम्बर, 2023 से अब तक उत्तराखंड के तमाम इलाकों में लगी आग की तकरीबन एक हजार दो सौ बयालिस घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं जिससे 1,696 हेक्टेयर क्षेत्रफल की वन संपदा का नुकसान हो चुका है। कम से कम दस लोगों की मौत अब तक हो चुकी है।

जैव-विविधता का जो नुकसान हुआ है, उसका अनुमान लगाना मुश्किल हैं। जैव-विविधता और जन-गण का नुकसान अभी रु का नहीं है, जिस पर तुरंत काबू पाने की जरूरत है।

सरकारी आंकड़े के मुताबिक राज्य के कुमाऊं मंडल में सबसे ज्यादा 598 और गढ़वाल मंडल में 532 जंगल की आग की घटनाएं घटीं। पिछले आठ महीने में आग की घटनाओं से वन संपदा का ही नाश नहीं हुआ है, बल्कि काफी बड़े इलाके में तपिश भी बढ़ गई है। इसका असर रानीखेत और अल्मोड़ा के जंगलों में बेकाबू आग के रूप में देखा जा सकता है। आग से जंगल ही नहीं जल रहे हैं, बल्कि लोगों के घर, दुकान और ऑफिस को भी नुकसान हो रहा है। महज दिल्ली में ही 26 मई, 2024 तक 8912 घटनाएं घट चुकी हैं, जिनमें 55 लोगों की जान जा चुकी है। अरबों का नुकसान हो चुका है।

देश-दुनिया में हर साल आग की लाखों घटनाएं घटती हैं जिससे करोड़ों की संपत्ति नष्ट होती है, मवेशी मारे जाते हैं, और कई लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। सरकारों के आग पर काबू पाने और मुस्तैदी के सारे दावे धरे रह जाते हैं। अब तक आग की बाइस हजार से अधिक घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में घट चुकी हैं, जिससे करोड़ों-अरबों की संपत्ति खाक हो चुकी है। मवेशी और जन धन की जो हानि हुई है, वह अलग। देश के विभिन्न हिस्सों में जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यूं तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भी आग से जंगल तबाह होते रहे हैं, लेकिन जिस बड़े पैमाने पर दोनों पहाड़ी राज्यों में तबाही देखने को मिलती है वैसी अन्य किसी राज्य में नहीं। पिछले तीस वर्षों में आग की लाखों छोटी-बड़ी घटनाएं घट चुकी हैं जिनमें लाखों हेक्टेयर जमीन में खड़े जंगल प्रभावित हुए हैं। जैविक-विविधता का नाश हुआ है और जीव-जंतु मारे गए।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के अनुसार भारत को 50 फीसद जंगलों को आग से खतरा है, जिसमें अधिकतर जंगल हिमाचल, जम्मू, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम के हैं। कई बार सूखे पत्तों और घनी झाड़ियों को जलाने के लिए आग लगाई जाती है। माना जाता है कि स्थानीय निवासियों द्वारा छोटे इलाकों में सूखे पत्तों और छोटी सूखी वनस्पतियों को जलाने से बड़ी विनाशकारी आग की घटनाएं नहीं होती हैं जिससे पर्यावरण की क्षति, वन क्षेत्र की वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के विनाश का भी खतरा नहीं रहता। राज्य सरकार और केंद्र सरकार को इस तरह के लोगों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित करके छोटे इलाकों के पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले खर-पतवारों को जलाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। लेकिन यह काम बहुत सावधानी के साथ किया जाना चाहिए। कई बार छोटी आग विकराल रूप धारण कर विनाश की वजह भी बन जाती है।

दरअसल, पहाड़ी जीवन समतल इलाकों में रहने वालों से कई मामलों में अलग होता है। पहाड़ी इलाकों के रहवासियों का पालन-पोषण जंगल ही करते रहे हैं। फल-फूल, मेवे, औषधियां, जलाऊ लकड़ियां और मकान बनाने की लकड़ियां भी जंगलों से आराम से मिल जाती थीं। 1988 में केंद्र सरकार ने जो वन नीति बनाई थी उससे जंगलों को संरक्षित करने और उनका विस्तार करने में सहूलियत तो मिली लेकिन उत्तराखंड बनने के बाद जिस तरह से वनों में माफिया समूहों, तस्करों और वन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से लूट मची, उससे उत्तराखंड बनने का उद्देश्य खंड-खंड हो गया। आज भी उत्तराखंड में तमाम तरह की समस्याएं हैं, जिनका हल निकाला जाना चाहिए। पर्यटन के मामले में उत्तराखंड देश के दूसरे राज्यों से काफी आगे है, लेकिन जिस रूप में पर्यटन का विकास हो रहा है, उससे कई तरह की दुरियां भी पैदा हो रही हैं जिनमें जंगल काट कर भवनों का निर्माण भी एक है।

आज उत्तराखंड में भारत ही नहीं, विदेश की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी यहां की अमूल्य संपदा का दोहन कर पूरे इलाके को खोखला करने में लगी हुई हैं। रोजगार देने और खुशहाली का नया दौर शुरू करने का सब्जबाग दिखाने वाली ये कंपनियां राज्य सरकार से खाद पानी पाती रही हैं। राज्य सरकार अवैध निर्माण, अवैध जगली जंतुओं के शिकार, अवैध खनन और वन की अमूल्य औषधियों एवं लकड़ियों की तस्करी रोकने में विफल रही है। जिस लक्ष्य को लेकर उत्तराखंड का निर्माण किया गया था, वह लक्ष्य आज भी अधूरा है।

पहाड़ के निवासियों द्वारा उत्तराखंड निर्माण के समय देखे गए स्वप्न जंगलों के साथ लगातार जलते आए हैं। हर बार चुनाव के समय हर पार्टी उत्तराखंड को सबसे खुशहाल राज्य बनाने का वादा करके सत्ता में आती है, और सत्ता मिलते ही अपना गुणा-भाग और नफा-नुकसान केवल पर्यटन को बढ़ावा देने और नई-नई देशी-विदेशी कंपनियों के जरिए केवल लाभ कमाने पर सारा ध्यान केंद्रित कर देती हैं। जो इस प्रदेश की मूल समस्याएं हैं, उनके लिए कोई ठोस दूरगामी कदम और योजनाएं नहीं बनाई जातीं। जब जंगल जलता है तो केवल जंगल नहीं जलता, बल्कि इस इलाके का आधार ही जल कर खाक हो जाता है।

देवभूमि कही जाने वाला इस पहाड़ी प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद यह अनगिनत प्राकृतिक त्रासदियों को झेलने के लिए मजबूर होता रहा है। शासन, प्रशासन प्राकृतिक त्रासदियों से छुटकारा दिलाने या मलहम लगाने के लिए तत्काल कदम उठाता तो है लेकिन जिस स्तर पर आग से लोगों का नुकसान होता है, उसकी भरपाई प्रशासन भी करने में नाकाम रहता है। जरूरत है जिम्मेदार विभाग और उनमें जिम्मेदार अधिकारियों को लापरवाही करने के प्रति चेतावनी देने की। कर्तृतव्य के प्रति लापरवाही को गम्भीर अपराध माना जाना चाहिए। प्रशासन अपने कर्तृतव्य के प्रति चुस्त रहेगा तो जगंल की बेकाबू होती आग भविष्य में विकराल रूप नहीं धारण करें। और साथ में यह भी सोचना होगा कि प्राकृतिक संपदा को बचाने के लिए बड़े स्तर पर ऐसी योजना बनाई जानी चाहिए जिससे आगे लगने पर तुरंत उस पर काबू पाया जा सके।

सू- दोकू क्र.128

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.127 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

जीरो टेरर प्लान

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अपने निर्णायक चरण में है। आतंकवाद बड़ी संगठित आतंकी हिंसाओं से सिमट कर महज छद्म लड़ाई रह गया है। केंद्रशासित प्रदेश में हाल ही में हुए आतंकी हमलों के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक हुई जिसमें शाह ने आंतकी गतिविधियों पर पूरी तरह नकेल कसने यानी जीरो टेरर प्लान लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को मिशन मोड पर काम करने और समन्वित तरीके से त्वरित प्रतिक्रिया सुनिशिचत करने का भी निर्देश दिया। मोदी सरकार के जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में कोई कसर न छोड़ने की बात भी दोहराई। आने वाले महीनों में प्रदेश में चुनाव भी होने हैं, और चौबंद सुरक्षा से चुनाव सहजता से कराने में मदद मिलेगी। शाह ने जून के अन्त में शुरू होने वाली पवित्र अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की। हालांकि बीते हफ्ते ही आतंकियों ने राज्य के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए जिनमें नौ तीर्थयात्रियों मौत और एक जवान शहीद हो गया। घटना में सात सुरक्षाकर्मियों समेत कई अन्य घायल हुए हैं। हालांकि इस दरम्यान मुठभेड़ में सेना ने दो आतंकी मारे गिराए जिनकी पहचान

पाकिस्तानी नागरिक के तौर पर हुई। उनके पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार बरामद हुए। सरकार के कड़े रुख और स्पष्ट निर्देशों के चलते सैन्य बलों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। खासकर मोदी सरकार के शांति बहाली के प्रयासों से स्थानीय रहवासी भी सुकून की सांस ले पा रहे हैं। सीमा पार से आतंक रोकने और घुसपैठियों का खात्मा करने की कोशिशों का ही नतीजा है कि कश्मीर में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। सरकार द्वारा बहुस्तरीय सुरक्षा कवर लगाने का आह्वान तथा तीर्थस्थलों और सभी पर्यटन स्थलों के प्रति सुरक्षा बढ़ाने की कवायद में तेजी लाने का असर जल्द देखने को मिल सकता है। मानव खुफिया जानकारी जुटाने और घुसपैठ के ठिकानों को बंद करने के अलावा क्षेत्र में सक्रिय आतंकियों का सफाया करने निर्णय केंद्र के सकारात्मक प्रयासों का नमूना है। प्रतीत हो रहा है कि तीसरी बार सत्ता में आते ही मोदी सरकार ने पूरी तैयारी के साथ आतंकवाद से जूझने के लिए कमर कस ली है। (आरएनएस)

विकास भवन सभागार में आयोजित किया गया जन संवाद/ जनता मिलन कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता

रूद्रप्रयाग। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जन संवाद/जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 15 शिकायतें दर्ज की गई। जिसमें पेयजल, सड़क विद्युत, शिक्षा आदि समस्या दर्ज की गई, जिसमें 08 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया जबकि शेष शिकायतों का निस्तारण करने के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

आयोजित जन संवाद/जनता मिलन कार्यक्रम में ग्राम प्रधान पिल्लू लता देवी ने शिकायत दर्ज करते हुए कहा कि गांव में विद्युत खंबों एवं झूलते विद्युत तारों से हमेशा अप्रिय घटना का अंदेशा बना रहता है जिन्हें अविलंब सही किया जाना आवश्यक है। चमेली के ग्रामीणों ने बेडूबगड से रूमसी भौंसाल मोटर मार्ग पर पुश्ता निर्माण कार्य में हुई लापरवाही की शिकायत दर्ज की। रतूड़ा निवासी देवी लाल ने उनके आवास के समीप सोलर लाइट न लगाने तथा वार्ड नं. 3 निवासी मोहन सिंह नेगी ने कोटेश्वर शंकराचार्य चिकित्सालय मोटर पर लोनिवि द्वारा बनाई गई नाली के क्षतिग्रस्त होने की समस्या से अवगत कराया। बांसी गांव धर्मेंद्र सिंह ने उनके बीमार पुत्र के ईलाज हेतु रेड क्रॉस सोसायटी से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा डांगी गांव की आईशा एवं डडोली गांव के राजेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने की मांग की। रविग्राम निवासी निर्मला देवी व रामेश्वर प्रसाद ने शिकायत दर्ज करते हुए अवगत कराया कि राष्ट्रीय राजमार्ग की लापरवाही के कारण उनके आवास में पानी जा रहा है जिससे बरसात के समय बड़ी अनहोनी का अंदेशा बना हुआ है।

मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि जन संवाद/जनता मिलन कार्यक्रम में जो भी शिकायतें व समस्याएं दर्ज की गई हैं उनका निराकरण 10 दिन के भीतर करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी दशा में कोई विलंब न किया जाए। उन्होंने कई समस्याओं पर स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए समस्याओं का जल्द से जल्द कार्यवाही करते हुए की गई कार्यवाही से जानकारी जिला कार्यालय एवं संबंधित शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से अवगत कराना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार से कोई ढिलाई न बरती जाए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, परियोजना निदेशक विमल कुमार, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल, जखोली भगत सिंह फोनिया, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र कुमार बिष्ट, अधिशासी अभियंता पेयजल निगम नवल कुमार, जल संस्थान अनीश पिल्लई, राष्ट्रीय राजमार्ग निर्भय सिंह, आबकारी अधिकारी लक्ष्मण सिंह बिष्ट, महाप्रबंधक जिला उद्योग महेश प्रकाश, जिला पंचायत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत, परियोजना अधिकारी उरेड़ा राहुल पंत, शिकायत प्रकोष्ट प्रभारी विनोद कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीण मौजूद रहे।

फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर का पुलिस ने किया भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेन्टर का पुलिस ने भंडाफोड करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर बडी संख्या में लैपटॉप व मोबाइल फोन बरामद किये। संयुक्त राज्य अमेरिका के नागरिकों शिकार बना रहे थे। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गिरोह का सरगना फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसपी अजय सिंह को राजपुर क्षेत्र दून विहार गली नंबर 3 के पास स्थित डेस्टिनी फिटनेस जिम के ऊपर वाले फ्लोर में अवैध इंटरनेशनल कॉल सेंटर के संचालित होने तथा उक्त कॉल सेंटर के माध्यम से विदेशी लोगों को कॉल कर उनसे ठगी किए जाने की सूचना गोपनीय माध्यम से प्राप्त हुई, जिस पर एसएसपी द्वारा क्षेत्राधिकार मसूरी व थानाध्यक्ष राजपुर पीडी भट्ट को तत्काल प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित करते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा रात्रि को राजपुर स्थित कॉल सेन्टर (टेकिनियो बिजनेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड) पर दबिश दी गई, तो मौके पर एक बडे हॉल मे कुछ युवक/युवतियां लैपटॉप व कम्पयूटर सिस्टम के सामने बैठकर हैडफोन लगाकर कॉल पर बात कर रहे थे जो स्वंय को अंतर्राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कंपनी का प्रतिनिधि बताकर लोगो से उनके कम्पयूटर सिस्टम से वायरस/ बग हटाकर उनके बैंक खातो की जानकारी प्राप्त कर रहे थे। जिनसे मौके पर पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि वे सभी सार्थक, शाहरुख, खुशनूर व करुणेश उर्फ करन नाम के व्यक्तियों के लिए काम करते है तथा कॉल सेंटर के माध्यम से वे एंटीवायरस तकनीकी सपोर्ट हेतु विदेशी नागरिकों को सपोर्ट देने के नाम पर उनसे गिफ्ट कार्ड का समस्त विवरण लेते हैं और उनसे करुणेश का साथी जो विदेश में रहता है, विदेशी नागरिको के समस्त पैसा निकाल लेता है, जो की डॉलर में होता है। विदेशी कस्टमर द्वारा उन्हें कॉल करने पर वह कस्टमर का फोन नंबर ब्लॉक कर देते हैं। पूछताछ में आरोपी सार्थक, शाहरुख व खुशनूर द्वारा बताया गया कि विदेशी कॉल आने पर वह विदेशी कस्टमर से कंप्यूटर सिस्टम मे वायरस होने व हैक होने से संबंधित समस्या के बारे में जानकारी मिलने पर उक्त समस्या को ठीक करने के एवज मे उनके सिस्टम मे अल्ट्रा व्यूवर का प्रयोग कर सिस्टम की एक्सेस प्राप्त कर लेते है तथा पूर्व में उन्ही के द्वारा भेजे गए वायरस को ठीक करने की बात कहकर उनसे गिफ्ट कार्ड तथा क्रिप्टो करेंसी में पेमेंट प्राप्त कर उनके साथ धोखाधडी करते है, जिसके बदले में उन्हें हर माह अच्छा मुनाफा मिल जाता है। पुलिस टीम द्वारा मौके से कॉल सेंटर संचालक सार्थक, शाहरुख व खुशनूर को गिरफ्तार किया गया। मौके से पुलिस टीम को कॉल सेंटर में लोगो से संपर्क कर धोखाधड़ी में प्रयोग किये जा रहे 36 लैपटॉप मय चार्जर मय हेड फोन, 05 मोबाइल फोन, ब्रॉडबैन्ड कनैक्शन से सम्बन्धित उपकरण बरामद किये गये। प्रकरण में फरार आरोपी करूणेश उर्फ करन की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

❑अमेरिका के नागरिकों के साथ एंटी वायरस तकनीकी सपोर्ट के नाम पर किया जा रहा था फर्जीवाड़ा

ताबड़तोड़ बारिश से जनजीवन ठप..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

12 तक के स्कूलों को बंद कर दिया गया है। नैनीताल और विकास नगर क्षेत्र में भारी बारिश की खबरें हैं। नैनीताल में आज तल्लीताल व मल्ली ताल में रेस्क्यू स्टिंग अभियान चलाया गया। वही यमुना घाटी क्षेत्र में बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। उधर केदारनाथ और बद्रीनाथ में भी भारी बारिश हो रही है बद्रीनाथ में कल से अलकनंदा नदी उफान पर है। जिसके कारण क्षेत्र से लोगों को हटा दिया गया है। राज्य में चार धाम यात्रा पर ब्रेक लग गया है वहीं राज्य की सड़कों पर आवागमन अत्यंत ही कम हो रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने सभी जिला अधिकारियों व विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं तथा चार धाम यात्रियों से भी खराब मौसम में यात्रा न करने की अपील की गई है। सभी जिलों में लोगों को नदी नाले व खालों से दूरी बनाए रखने व जरूरी होने पर यात्रा पर जाने को कहा गया है।

डीएम साहिबा हमें एक मोटर पुल दिला दो!

❑आपदाकाल के चार महिने रहते हैं घरों में कैद

कार्यालय संवाददाता

पिथौरागढ़। डीएम साहिबा हमारे ग्राम पंचायत में आपदाकाल के 4 महीने एक तोक वाले दूसरे तोक वालों से नहीं मिल पाते है। एक स्कूल दो जगहों पर चलता है। उत्तराखंड में यह पहला ग्राम पंचायत होगा जिसकी आपदाकाल काल में ऐसी स्थिति रहती है। मंगलवार को 115 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय आकर जिलाधिकारी रीना जोशी के सम्मुख ग्रामीणों ने अपने दुखांत को सुनाया।

विकास खंड मुनस्यारी के ग्राम पंचायत टांगा की व्यथा कुछ इस तरह की है।

इस गांव के लिए 80 मीटर स्पान का मोटर पुल बनना था। वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल होने के बाद भी आज तक पुल को बजट नहीं मिल पाया।

हालांकि लोक निर्माण विभाग ने डीपीआर बनाकर शासन को भेज दिया है।

पुल के नहीं होने से एक ही ग्राम पंचायत के टांगा, लोदी, दानीबगड़, लोधियाबगड आदि तोको के लोग आपदाकाल के चार माह आपस में नहीं मिल पाते है। गांव के बीच से बहने वाले टांगा नदी में पुल नहीं होने के कारण प्राथमिक विद्यालय के बच्चे एक तरफ शिक्षक तथा दूसरी तरफ आंगनबाड़ी की बहन जी विद्यार्थियों को पढ़ाती है। इस ग्राम पंचायत में एक नहीं दो नदियां गांव को चीर रही है।जिससे भूस्खलन की घटना भी लगातार बढ़ रही है।

विद्यार्थी भी आपदाकाल में एक साथ बैठकर एक जगह पर स्कूलिंग नहीं कर पाते है। गरारी की हालत इतनी खराब है कि एक आदमी को पार करने के लिए दो लोगों की आवश्यकता होती है।

मुनस्यारी के ग्राम पंचायत टांगा की व्यथा

❑15 साल से दो किलोमीटर मोटर मार्ग का नहीं हुआ डामरीकरण
❑मोबाइल नेटवर्क के अभाव में अवकाश में विद्यार्थी नहीं आते घर

15 वर्षों से लोदी मोटर मार्ग का डामरीकरण नहीं नहीं हो पाया है।

इस मोटर मार्ग में कोई भी वहां आने जाने से कतराता है। इसलिए लोदी वालों को मोटर मार्ग की सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

इस ग्राम पंचायत में मोबाइल का नेटवर्क नहीं है। इस कारण स्कूल की छुट्टी में भी विद्यार्थी अपने गांव नहीं आते है।

नेटवर्क नहीं होने के कारण ऑनलाइन क्लासेस तथा उनकी पढ़ाई का कार्य इस गांव में नहीं चल पाता है।

इस गांव के अधिकांश पूर्व सैनिक तथा सेवानिवृत्त लोग वापस गांव को आ रहे है। लेकिन सुविधाओं के अभाव में गांव वासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पलायन के बाद भी इस ग्राम पंचायत में 1065 की जनसंख्या वर्तमान में रह रही है। जिलाधिकारी के सम्मुख अपनी व्यथा को बताने के बाद ग्रामीणों के प्रति जिलाधिकारी को भी दया आ गई।

उन्होंने बीएसएनएल के सहायक अभियंता को तलब किया। उन्होंने सहायक अभियंता से कहा कि वह तत्काल टांगा जाकर सर्वे कर मोबाइल टावर को प्रस्तावित करे।

लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता से डीएम ने कहा कि वह शासन स्तर पर दोनों मांगों के लिए बजट जारी करने हेतु प्रयास करे।

उन्होंने कहा कि वह स्वयं लोनिवि के सचिव से इस मामले में बातचीत करेंगे।

इस अवसर पर पूर्व सूबेदार धर्म सिंह परिहार, भगवान सिंह परिहार, ललित सिंह परिहार, गोविंद सिंह परिहार, धर्मेंद्र सुयाल, प्रेम सिंह सेनरी, विक्रम बथियाल के साथ ही जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तलिया की उपस्थित रहे।

निजी शिक्षण संस्थानों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए एनएसयूआई ने दिया धरना

संवाददाता

देहरादून। निजी शिक्षण संस्थानों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना देकर राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां एनएसयूआई के कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर धरना दिया। धरने के पश्चात उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि शिक्षा सत्र 2024-25 का सत्र प्रारम्भ होने जा रहा है तथा विभिन्न तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के निजी संस्थानों द्वारा वर्तमान सत्र में निजी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने वाले छात्रों व अभिभावकों पर कॉलेज की ओर से दी

जाने वाली हॉस्टल की सुविधा व बस सुविधा अनिवार्य रूप से लेने का दबाव बनाया जा रहा है तथा यह सुविधायें नहीं लेने पर प्रवेश देने से मना किया जा रहा है। शिक्षण संस्थानों द्वारा यह भी कहा कि यह सुविधा चाहे एक माह के लिये ली जाये परन्तु फीस पूरे वर्षभर की देनी होगी तभी प्रवेश दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि बहुत से छात्र-छात्रायें ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब परिवारों से सम्बन्धित होते हैं जो अपनी निजी व्यवस्था तथा पारिवारिक आर्थिक स्थिति के अनुरूप आवास एवं वाहन की सुविधा करने के साथ ही कोर्स फीस के लिए पार्ट टाईम जॉब सुनिश्चित करते हैं ऐसे में निजी शिक्षण संस्थानों द्वारा इस प्रकार के नियम थोपकर उन छात्र-छात्राओं को तकनीकी व उच्च शिक्षा से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है जोकि न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है।

एक नजर

पीएम ने एनडीए सांसदों को अच्छा सांसद बनने के मूल मंत्र दिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों को संसदीय नियमों और आचरण का पालन करने की सलाह दी। साथ ही सांसदों को अपने निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े नागरिक मामलों में विशेषज्ञता विकसित करने की भी सलाह दी। एनडीए सांसदों की एक बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विपक्ष उनसे नाराज है, क्योंकि पहली बार कोई गैर-कांग्रेसी नेता लगातार तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बना है। मोदी ने सांसदों से कहा कि वे मीडिया के सामने किसी भी मुद्दे पर टिप्पणी करने से पहले उसका गहन अध्ययन करें। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों से कहा कि संसद के सभी सदस्य देश की सेवा करते हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी से हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आग्रह किया है कि एनडीए के प्रत्येक सांसद को देश को प्राथमिकता देते हुए काम करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को संसद के अंदर उनके आचरण के संबंध में मार्गदर्शन दिया। रिजिजू ने कहा कि पीएम ने यह भी कहा कि प्रत्येक सांसद को सदन में अपने निर्वाचन क्षेत्र के मामलों को नियमों के अनुसार बहुत अच्छी तरह से प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने हमें रुचि के अन्य प्रमुख मुद्दों में विशेषज्ञता विकसित करने के लिए भी कहा चाहे वह पानी, पर्यावरण या सामाजिक क्षेत्र हो। इसलिए, पीएम ने हमें उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करने के लिए कहा।

पुणे में जीका वायरस संक्रमण के छह मामले सामने आए

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे शहर में जीका वायरस ने दी दस्तक। अभी तक पुणे में छह मामले सामने आए हैं। संक्रमित लोगों में दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। संक्रमण के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। पुणे नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी शुरू कर दी है। वहीं, एहतियात के तौर पर यह मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए फॉगिंग और धूम्रीकरण जैसे उपाय कर रहा है। स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार, जीका वायरस संक्रमण का पहला मामला एरंडवाने क्षेत्र में 46 वर्षीय डॉक्टर की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर सामने आया था। उसके बाद डॉक्टर की 15 वर्षीय बेटी भी पॉजिटिव पाई गई थी। इन दोनों के अलावा, मुंडवा के रहने वाला 47 वर्षीय व्यक्ति और 22 वर्षीय युवक की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई थी। जीका वायरस मच्छर जनित वायरस है जिसकी पहचान पहली बार 1947 में युगांडा में रीसस मैकाक बंदर में की गई थी, इसके बाद 1950 के दशक में अन्य अफ्रीकी देशों में मानव में संक्रमण और बीमारी के सबूत मिले। 1960 से 1980 के दशक तक, अफ्रीका और एशिया में छिटपुट मानव संक्रमण का पता चला था।

80 की 80 सीटें जीत जाऊं तब भी मुझे ईवीएम पर भरोसा नहीं होगाः अखिलेश

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अखिलेश यादव ने मंगलवार 2 जुलाई को लोकसभा में बोलते हुए ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया है। ईवीएम पर अखिलेश यादव ने कहा, ईवीएम पर मुझे कल भी भरोसा नहीं था, आज भी नहीं है भरोसा। मैं 80 की 80 सीटें जीत जाऊं तब भी भरोसा नहीं होगा। ईवीएम का मुद्दा खत्म नहीं हुआ है। अखिलेश यादव ने कहा, आचार संहिता जब लागू हुआ तो, मैंने देखा कि कुछ लोगों पर मेहरबान रही सरकार और कमीशन भी। लेकिन कहीं न कहीं उस संस्था पर भी आरोप लगाया है। इसलिए अगर वो संस्था निष्पक्ष होगा तो, हमारा लोकतंत्र और मजबूत होगा। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान भी कहा था कि ईवीएम से जीतकर, ईवीएम हटाने का काम करेंगे। जब तक ईवीएम का मुद्दा खत्म नहीं होगा।हम समाजवादी लोग उसपर अड़े रहेंगे। लोकसभा में बोलते हुए सांसद अखिलेश यादव ने कहा, हम जाति जनगणना के पक्ष में हैं। हम अग्निवीर योजना को कभी स्वीकार नहीं कर सकते। जब इंडिया गठबंधन सत्ता में आएगा, तो अग्निवीर योजना को खत्म कर दिया जाएगा। फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू नहीं की गई है। बागवानी फसलों को भी एमएसपी दिया जाना चाहिए। अयोध्या चुनाव परिणाम पर बोलते हुए सांसद अखिलेश यादव ने कहा, अयोध्या की जीत भारत के परिपक्व मतदाता की लोकतांत्रिक जीत है।

पश्चिम बंगाल से भाग कर आए नाबालिग को पुलिस ने किया सकुशल परिजनों के सुपुर्द

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पश्चिम बंगाल में अपने घर से भाग कर आए एक नाबालिक को पुलिस ने सकुशल बरामद कर उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 28 जून को केदारनाथ धाम में नियुक्त पुलिस जवानों को एक नाबालिग बालक अकेले घूमता मिला। शक होने पर जब उससे पूछताछ की गई तो बालक ने अपना नाम संदीप कुंडू, पुत्र प्रदीप कुंडू, निवासी कालाचंद पारा, दत्तापुकुर, बारासेट -1, नॉर्थ 24 परगना, वेस्ट बंगाल,उम्र करीब 15 वर्ष बताया। बताया कि वह ट्यूशन के बहाने अपने घर पर बिना बताए भाग कर आ गया था। उसकी अवस्था का ध्यान रखते हुए पुलिस द्वारा अथक प्रयासों से बालक के माता-पिता से सम्पर्क किया गया तो ज्ञात हुआ कि उक्त बालक के संबंध में थाना बारासात, पश्चिम बंगाल में गुमशुदगी पंजीकृत हैस तदोपरांत चौकी श्री केदारनाथ से उप निरीक्षक आशुतोष चौहान द्वारा उसको सोनप्रयाग कोतवाली भिजवाया गया। जहां पर कोतवाली सोनप्रयाग पुलिस द्वारा थाना बारासात, पश्चिम बंगाल तथा बालक के परिजनों से लगातार संपर्क रखा गया। परिजनों द्वारा बताया गया कि वे पश्चिम बंगाल से अपने बच्चे को लेने सोनप्रयाग आ रहे हैं। इस बीच सोनप्रयाग पुलिस द्वारा बालक को अपनी देखरेख में रखा गया तथा खाने तथा रहने की पूर्ण व्यवस्था की गयी।

बालक के परिजन बड़ा भाई सोविक कुंडु एवं चचेरा भाई सुदीप कुंडु कोतवाली सोनप्रयाग आए तथा सोनप्रयाग पुलिस ने 15 वर्षीय संदीप कुंडु को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया। परिजनों ने नम आंखो से रुद्रप्रयाग पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार प्रकट किया।

भारी मात्रा में चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को एसओजी द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके पास से 851 ग्राम भी बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी चमोली को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थों की डिलीवरी हेतु आने वाले हैं। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एस ओ जी टीम द्वारा क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान एसओजी टीम को लीसा बैंड वृद्धा आश्रम के पास से दो संदिग्ध लोग दिखाई दिए। एसओजी टीम द्वारा जब उन्हें रुकने का इशारा किया गया तो वह सकपका कर भागने लगे। जिस पर उन्हें घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 851 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम भूपेन्द्र रावत पुत्र स्व. प्रताप रावत निवासी ग्वाड देवलधार थाना गोपेश्वर जिला चमोली व अंकुश भारती पुत्र स्व. देवी लाल निवासी क्यार्की देवलधार थाना गोपेश्वर जिला चमोली बताया। जिनके खिलाफ खाना गोपेश्वर में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

तमंचा व कारतूस सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से एक तमंचा व कारतूस भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली लक्सर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रोकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा जिस पर पुलिस ने उसे घेर कर दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ।

पूछताछ में उसने अपना नाम अक्षय पुत्र अजीत सिह निवासी मुण्डाखेडा खुर्द, कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

महिला की मौत पर पति सहित दो लोगो पर हत्या का आरोप

संवाददाता

देहरादून। महिला की मौत पर पति सहित दो लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम झावरा चकराता निवासी मन्नू ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी कृष्णा का विवाह आशीष के साथ हुआ था। आशीष बगीया सेर तहसील चकराता का रहने वाला है। वर्तमान में वह एफआरआई में हंसराज के मकान मे रह रहा था उसकी पुत्री कृष्णा की आशीष ने अपने मित्र के साथ मिलकर हत्या कर दी तथा उसके शव को गाडी बुक कराकर चकराता ले जा रहा था। जिसको उसने चकराता थाना पुलिस की मदद से कार को रोक लिया। जिसके बाद वह अपनी पुत्री का शव लेकर प्रेमनगर उपजिला अस्पताल लेकर आया जहां पर उसकी पुत्री का पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।